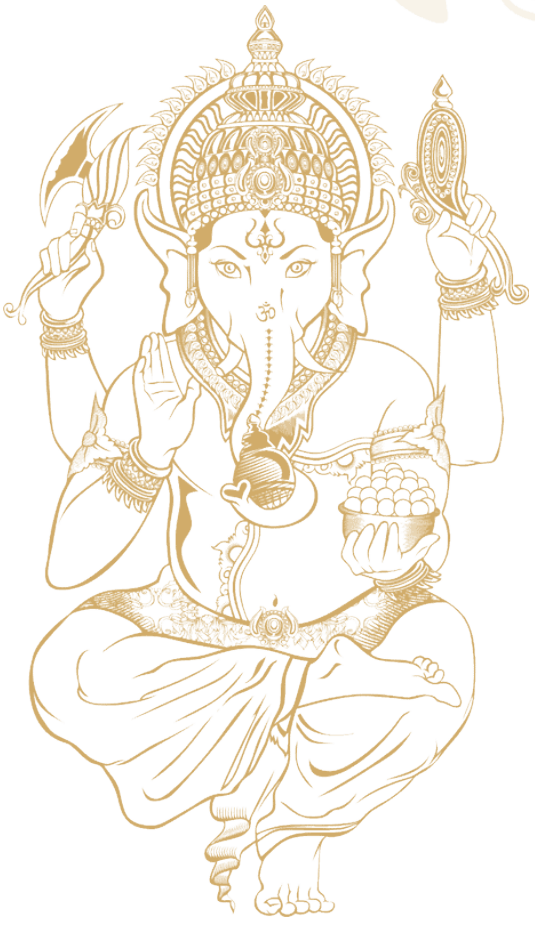

Aarav

26 Feb 2013

06:00 PM

Lucknow

Model: web-freekundliweb

Order No: 121952902

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**26/02/2013**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**18:00:00 घंटे**
इष्ट	28:36:12 घटी
स्थान	**Lucknow**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	26:50:00 उत्तर
रेखांश	80:54:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:06:24 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	17:53:36 घंटे
वेलान्तर	-00:12:54 घंटे
साम्पातिक काल	04:19:40 घंटे
सूर्योदय	06:33:31 घंटे
सूर्यास्त	18:05:25 घंटे
दिनमान	11:31:55 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	14:01:40 कुम्भ
लग्न के अंश	13:37:46 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**पू०फाल्गुनी - 3**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	धृति
करण	कौलव
गण	मनुष्य
योनि	मूषक
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	टी-टीकम
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	13:37:46	318:53:17	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	---
सूर्य			कुंभ	14:01:40	01:00:17	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	बुध	शत्रु राशि
चंद्र			सिंह	22:13:27	13:19:38	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	शनि	मित्र राशि
मंगल		अ	कुंभ	25:12:58	00:47:03	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	सम राशि
बुध	व		कुंभ	25:02:20	00:29:45	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	सम राशि
गुरु			वृष	13:29:21	00:05:12	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	राहु	शत्रु राशि
शुक्र		अ	कुंभ	06:29:58	01:14:58	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	चंद्र	मित्र राशि
शनि	व		तुला	17:25:44	00:00:48	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	शुक्र	उच्च राशि
राहु	व		तुला	25:27:08	00:11:25	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	मित्र राशि
केतु	व		मेष	25:27:08	00:11:25	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	बुध	मित्र राशि
हर्ष			मीन	12:45:19	00:03:06	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	मंगल	---
नेप			कुंभ	08:58:43	00:02:16	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	गुरु	---
प्लूटो			धनु	17:01:14	00:01:20	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	चंद्र	---
दशम भाव			वृष	12:43:03	--	रोहिणी	--	4	शुक्र	चंद्र	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:02:42

लग्न-चलित

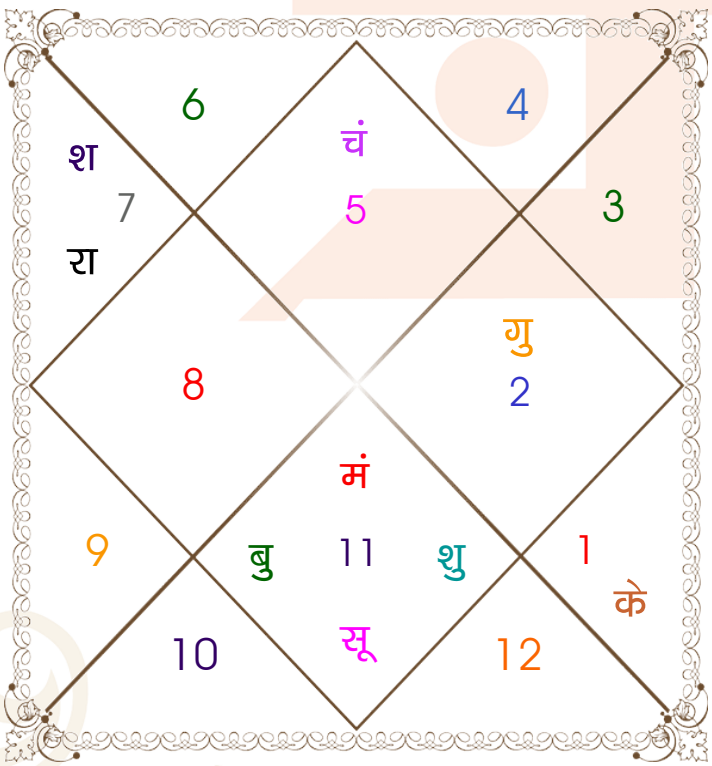

चन्द्र कुंडली

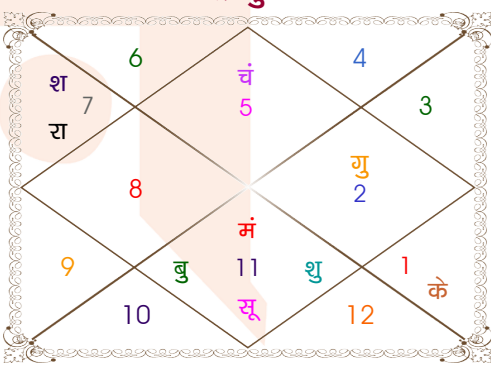

नवमांश कुंडली

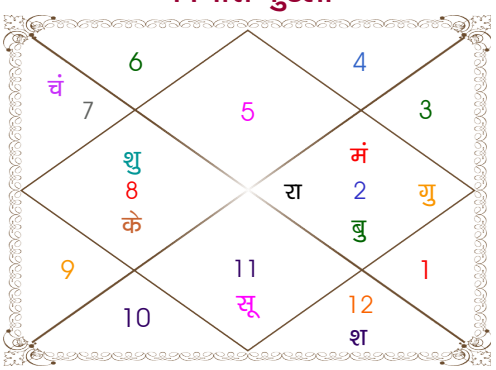

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 6 वर्ष 7 मास 29 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
26/02/2013		27/10/2019		27/10/2025		27/10/2035		27/10/2042	
27/10/2019		27/10/2025		27/10/2035		27/10/2042		27/10/2060	
	00/00/0000	सूर्य	14/02/2020	चंद्र	27/08/2026	मंगल	24/03/2036	राहु	09/07/2045
	00/00/0000	चंद्र	14/08/2020	मंगल	28/03/2027	राहु	12/04/2037	गुरु	03/12/2047
	00/00/0000	मंगल	20/12/2020	राहु	26/09/2028	गुरु	19/03/2038	शनि	09/10/2050
	00/00/0000	राहु	14/11/2021	गुरु	26/01/2030	शनि	28/04/2039	बुध	27/04/2053
	00/00/0000	गुरु	02/09/2022	शनि	27/08/2031	बुध	24/04/2040	केतु	16/05/2054
	26/02/2013	शनि	15/08/2023	बुध	26/01/2033	केतु	20/09/2040	शुक्र	15/05/2057
शनि	27/10/2015	बुध	21/06/2024	केतु	27/08/2033	शुक्र	20/11/2041	सूर्य	09/04/2058
बुध	27/08/2018	केतु	27/10/2024	शुक्र	28/04/2035	सूर्य	28/03/2042	चंद्र	09/10/2059
केतु	27/10/2019	शुक्र	27/10/2025	सूर्य	27/10/2035	चंद्र	27/10/2042	मंगल	27/10/2060

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
27/10/2060		27/10/2076		27/10/2095		28/10/2112		28/10/2119	
27/10/2076		27/10/2095		28/10/2112		28/10/2119		00/00/0000	
गुरु	15/12/2062	शनि	30/10/2079	बुध	25/03/2098	केतु	26/03/2113	शुक्र	27/02/2123
शनि	27/06/2065	बुध	09/07/2082	केतु	22/03/2099	शुक्र	26/05/2114	सूर्य	27/02/2124
बुध	03/10/2067	केतु	18/08/2083	शुक्र	21/01/2102	सूर्य	01/10/2114	चंद्र	28/10/2125
केतु	08/09/2068	शुक्र	18/10/2086	सूर्य	27/11/2102	चंद्र	02/05/2115	मंगल	28/12/2126
शुक्र	10/05/2071	सूर्य	30/09/2087	चंद्र	28/04/2104	मंगल	28/09/2115	राहु	28/12/2129
सूर्य	26/02/2072	चंद्र	30/04/2089	मंगल	25/04/2105	राहु	15/10/2116	गुरु	28/08/2132
चंद्र	27/06/2073	मंगल	09/06/2090	राहु	12/11/2107	गुरु	21/09/2117	शनि	27/02/2133
मंगल	03/06/2074	राहु	15/04/2093	गुरु	17/02/2110	शनि	31/10/2118		00/00/0000
राहु	27/10/2076	गुरु	27/10/2095	शनि	28/10/2112	बुध	28/10/2119		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 6 वर्ष 7 मा 15 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के प्रथम चरण में सिंह लग्न में हुआ था। सिंह लग्नोदय काल ही सिंह राशि का नवमांश एवं धनु राशि के द्रेष्काण भी मेदिनीय क्षितिज पर उदित था। आपका जन्म प्रभाव यह प्रमाणित कर रहा है कि आपका जीवन सर्वोत्तम प्रकार से व्यतीत होगा। ऐसा तो आपके जीवन का 28 वें वर्ष से आपका समय अच्छे होने लग जाएंगे। आयु के 28 वें वर्ष से 32 वें वर्ष की आयु तक का समय बहुत ही उत्तम एवं अनुकूल होगा।

आपके जीवन का बृहत्तर भाग मखमली अर्थात् ''पांचों उंगुली घी में'' जैसा लाभजनक रहेगा। इस समय आपके जीवन के सभी आवश्यक पक्ष संतोषजनक रहेगा। आपके लिए सौभाग्य प्रदान करने वाला ऐसा समय हस्तगत होगा कि आप मिट्टी छूओ तो सोना बन जाएगा और आप जिस कार्य को हस्तगत कर लोगे उसी में सफल हो जाओगे।

आप इस बात को अच्छी प्रकार जानते है कि लोगों के साथ धन संपत्ति का लेन-देन अर्थात् आदान प्रदान कैसे करेंगे। आपमें यह सामार्थ्य निहित है कि लोगों को अपने पक्ष में लेकर, दूसरों पर किस प्रकार प्रशासन करेंगे। आप किस प्रकार लोगों से सहयोग प्राप्त कर प्रचूर मात्रा में लाभान्वित होंगे तथा आपका कार्य व्यवधान रहित होकर प्रगति करेगा। जब आप किसी को वस्तु उधार दे देते हैं और कोइ समस्या उत्पन्न हो जाती है। आप धैर्यपूर्वक संपर्क स्थापित कर समस्या का समाधान कर उस धन या वस्तु को प्राप्त कर लेते हैं।

आप में एक अन्य प्रकार की भव्य क्षमता विद्यमान है। वह यह है कि आप यह जानते हैं कि आप अपने से उच्च अधिकारी को किस प्रकार प्रभावित करेंगे तथा सर्वोच्च अधिकारी से संपर्क अर्थात् सानिध्यता प्राप्त कर लेते हैं। परिणाम स्वरूप आप लाभप्रद, अधिकारपूर्ण पद प्रतिष्ठा प्राप्त कर लेंगे। यथा कंपनी का प्रबंधक, अथवा किसी भी निगम और परिषद का निर्देशक पद आदि। आप निश्चित समय पर ऐसी युक्ति पूर्ण चाल को अच्छी प्रकार अपने अधिकारी के पास प्रस्तुत कर देंगे। ताकि आप की चाल सफल हो जाती है। आप में एक अच्छे नेता के गुण विद्यमान है।

आप अनेक कलाओं के ज्ञाता एवं सक्षम हैं। आप किसी भी समस्या का समाधान निकाल लेने में तथा किसी भी विरोधात्मक परिस्थिति को पार कर लेने में सक्षम है तथा विरोधियों को परास्त कर सकते हैं। आप अपने किसी भी शत्रुओं के साथ संघर्ष करके विजय श्री प्राप्त करेंगे।

आपके प्रभावशाली उपस्थिति हाव-भाव तथा आकर्षण विपरीत योनि के प्राणी के साथ रहेगा। जिस प्रकार चुंबक अपने आकर्षण शक्ति का प्रभाव लौह पर दिखाता है। उसी प्रकार आपके आकर्षण से स्त्रियाँ वशीभूत हो जाया करेंगी। आपकी इस प्रकार की प्रवृति से आपका समय आनंददायक प्रतीत होता है। परंतु इस प्रकार की प्रवृत्ति तथा कार्य कलाप से आपका पारिवारिक जीवन बाधित हो सकता है। आपके पास प्रिय पत्नी बच्चे एवं आनंददायक भवन का सुख उपलब्ध हो सकता है। अस्तु निरंतर इस पथ पर नहीं चलें। आपके साथ ऐसी समस्या जुडी है कि आप पूर्णरूपेण विश्राम नहीं कर पातें । उत्तम स्वास्थ्य के लिए आपको सतर्क रहना

चाहिए। आप सदैव अनेक प्रकार के कार्यक्रमों में सम्मिलित होने के लिए एक साथ प्रस्थान करते हैं। आपके द्वारा घोर परिश्रम किए जाने से स्नायुविक शक्तियां बुरी तरह पूर्ण रूपेण प्रभावित हो रही हैं। इस प्रकार कुछ समय वर्षों के पश्चात् आपको हृदय से संबंधित समस्याएं, गांठ-गांठ में तथा रीढ़ की हड्डियों में दर्द, रक्तचाप रोगादि से कष्ट समस्याएं उत्पन्न हो सकती है। अस्तु विश्राम भी ग्रहण किया करें।

आपको सदैव अपनी एवं अपने परिवार की प्रतिष्ठा के प्रति सतर्क रहते हैं। चाहे कुछ भी हो जाए आप इस बात के लिए किसी भी परिस्थिति में कोई भी समझौता करने को तैयार नहीं हो सकते हैं।

आपके लिए उपयुक्त कार्यव्यवसायों में राजकीय केंद्रीय सरकार की सेवा के अतिरिक्त ट्रांसपोर्ट व्यवसाय, होटल उद्योग अथवा फोटोग्राफी व्यवसाय आदि अनुकूल है।

आपके लिए नारंगी रंग, लाल एवं हरा रंग अनुकूल है। परंतु नीला, सफेद एवं काला रंग त्यागनीय है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक भाग्यशाली अंक है, परंतु आपके लिए अंक 2, 7 एवं 8 अंक सर्वथा प्रतिकूल है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।